NSW शिक्षा विभाग

Being involved and confident in learning and play

Family resources

शिक्षा-प्राप्ति और खेलकूद में शामिल और आश्वस्त होना

पारिवारिक संसाधन

शुरूआती वर्षों का शिक्षा-प्राप्ति ढांचा (Early Years Learning Framework) राष्ट्रीय शिक्षा-प्राप्ति ढांचा है जिसका प्रयोग प्रीस्कूलों और सभी शुरूआती बाल्यकाल (एर्ली चाइल्डहुड) सेवाओं में किया जाता है। यह शिक्षा-प्राप्ति के पांच परिणमों के साथ शिक्षण और अध्यापन को मार्गदर्शित करता है जिससे बच्चों को सुदृढ़ तथा सक्षम छात्र बनने में सहायता मिलती है।

शिक्षण परिणाम 4 (Learning Outcome 4) इस बारे में है कि बच्चे आश्वस्त और भाग लेने वाले छात्र बनें। बच्चे खोजकर्ता, योजक, महत्वपूर्ण सोच-विचार करने वाले होते हैं और जो उन्होंने सीखा है वे उसे नई परिस्थितियों के अनुरूप बदल सकते हैं। बच्चे अपने आपको अन्वेषकों, समस्याओं का समाधान करने वाले के तौर पर देखते हैं तथा वे शिक्षा-प्राप्ति में अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं। वे अपनी रचनात्मकता का प्रयोग करके यह पता कर सकते हैं कि चीज़ें कैसे और क्यों कार्य करती हैं।

Early Years Learning Framework के बा रे में और अधिक जा नका री के लिए यह वेबसा इट देखें:
https://www.dese.gov.au/collections/translations-belonging-being-and-becoming-early-years-learning-framework-australia

टेलीफोन दुभाषिया सेवा

यदि आपको अधिक जानकारी की आवश्यकता है तो कृपया अपनी संतान के प्रीस्कूल या एर्ली चाइल्डहुड सेवा से संपर्क करें। यदि अपनी पूछताछ में सहायता के लिए आपको दुभाषिए की ज़रूरत है तो कृपया टेलीफोन दुभाषिया सेवा को 131 450 पर फोन करें और अपनी भाषा में दुभाषिए के लिए निवेदन करें। ऑपरेटर आपके द्वारा प्रदान किए फोन नम्बर पर कॉल करेगा और आपकी पूछताछ में आपकी मदद करने के लिए दुभाषिए को लाइन पर कनेक्ट करेगा। इस सेवा के लिए आपसे शुल्क नहीं लिया जाएगा।

NSW GOVERNMENT

स्कूल पर शिक्षा-प्राप्ति
शुरूआती शिक्षा-प्राप्ति
सक्षम और भाग लेने वाले छात्रों का अर्थ है:
बच्चे उत्सुक होने, जांच, निर्माण करने और चीज़ें अलग-अलग करके जोड़ने में उपकरणों और संसाधनों का प्रयोग कर सकते हैं
बच्चे संख्याओं, चिन्हों और विचारों को अलग-अलग तरीके से प्रदर्शित कर सकते हैं
बच्चे परीक्षण करने, समस्याओं का समाधान करने तथा नई परिस्थियों पर प्रतिक्रिया करने के लिए विभिन्न प्रकार की कार्यनीतियों का प्रयोग कर सकते हैं
बच्चे अपने पर्यावरण का अन्वेषण करने के लिए अपनी भावनाओं का प्रयोग करते हैं
विद्यार्थी सवाल पूछ सकते हैं, अनुमान लगा सकते हैं, योजना बना सकते हैं, विश्लेषण और संचार कर सकते हैं (विषय: विज्ञान और टैक्नोलॉजी, एवं गणित)
विद्यार्थी पर्यावरण में समस्याओं को समझ सकते हैं तथा संभावित समाधान डिज़ाइन कर सकते हैं (विषय: विज्ञान और टैक्नोलॉजी)
विद्यार्थी महत्वपूर्ण और रचनात्मक सोच-विचार करने वाले हो सकते हैं (सभी विषय क्षेत्र)
विद्यार्थी समझबूझ दर्शाने के लिए प्रतिदिन की भाषा, ठोस सामग्री तथा दस्तावेज़ों का प्रयोग कर सकते हैं (विषय: गणित)